अध्याय 10: तताँरा-वामीरो कथा

विषय-सूची 15 प्रश्नावली · 27 प्रश्न

प्रश्नावली 10.1	मौखिक	5 प्रश्न
प्रश्नावली 10.2	लिखित (क) — 25-30 शब्द	4 प्रश्न
प्रश्नावली 10.3	लिखित (ख) — 50-60 शब्द	5 प्रश्न
प्रश्नावली 10.4	लिखित (ग) — आशय स्पष्ट	2 प्रश्न
प्रश्नावली 10.5	भाषा अध्ययन — वाक्य के प्रकार	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.6	भाषा अध्ययन — मुहावरे	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.7	भाषा अध्ययन — मूल शब्द और प्रत्यय	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.8	भाषा अध्ययन — उपसर्ग	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.9	भाषा अध्ययन — वाक्य परिवर्तन	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.10	भाषा अध्ययन — विलोम शब्द	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.11	भाषा अध्ययन — पर्यायवाची शब्द	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.12	भाषा अध्ययन — कठिन शब्दों का वाक्य प्रयोग	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.13	भाषा अध्ययन — विशेषण	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.14	भाषा अध्ययन — 'देखना' क्रिया के रूप	1 प्रश्न
प्रश्नावली 10.15	भाषा अध्ययन — पदबंध	1 प्रश्न

प्रश्नावली 10.1 — मौखिक

प्रश्न 1

तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

हल

तताँरा-वामीरो की कथा अंदमान निकोबार द्वीपसमूह की है।
यह कथा लिटिल अंदमान और कार-निकोबार द्वीपों के विभक्त होने से जुड़ी एक लोककथा है जो निकोबारी जनजाति में आज भी प्रचलित है।

उत्तर: यह कथा अंदमान निकोबार द्वीपसमूह की है — विशेषतः लिटिल अंदमान और कार-निकोबार से संबंधित एक निकोबारी लोककथा है।

प्रश्न 2

वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

हल

वामीरो समुद्र किनारे एकटक डूबते सूरज के रंगों को निहारते हुए गाना गा रही थी।
अचानक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई। इस हड़बड़ाहट में वह गाना भूल गई।

उत्तर: अचानक एक ऊँची समुद्री लहर उठी और वामीरो को भिगो गई, जिससे हड़बड़ाहट में वह गाना भूल गई।

प्रश्न 3

तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

हल

तताँरा ने पहले वामीरो से गाना जारी रखने की याचना की।
फिर उसने अपनी गलती स्वीकार करते हुए वामीरो से क्षमा माँगी और केवल अपना नाम बताने का आग्रह किया।
अंत में उसने अगले दिन उसी चट्टान पर आने का निवेदन किया — 'कल मैं इसी चट्टान पर प्रतीक्षा करूँगा --- तुम्हारी बाट जोहूँगा --- जरूर आना---'।

उत्तर: तताँरा ने वामीरो से गाना पूरा करने, अपना नाम बताने तथा अगले दिन उसी समुद्री चट्टान पर आने की याचना की।

प्रश्न 4

तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

हल

निकोबार द्वीपसमूह की रीति के अनुसार विवाह के लिए युवक और युवती का एक ही गाँव का होना आवश्यक था।
दूसरे गाँव के युवक-युवती के बीच वैवाहिक संबंध वर्जित (निषिद्ध) थे।
तताँरा पासा गाँव का था और वामीरो लपाती गाँव की, इसलिए उनका मिलन परंपरा के विरुद्ध था।

उत्तर: रीति के अनुसार विवाह के लिए युवक और युवती का एक ही गाँव का होना अनिवार्य था; दूसरे गाँव में विवाह वर्जित था।

प्रश्न 5

क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

हल

पशु-पर्व में वामीरो की माँ द्वारा अपमानित किए जाने और गाँव वालों के विरोध से तताँरा का क्रोध भड़क उठा।
जब कोई राह न सूझी तो उसने क्रोध का शमन करने के लिए अपनी लकड़ी की तलवार निकाली और उसे पूरी शक्ति से धरती में घोंप दिया।
फिर वह उसे अपनी तरफ खींचता-खींचता दूर तक पहुँच गया। जहाँ तक लकीर खिंची, वहाँ धरती में दरार पड़ने लगी और द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो गया।

उत्तर: क्रोध में तताँरा ने अपनी तलवार धरती में घोंप दी और उसे खींचता गया, जिससे धरती फट गई और द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया।

प्रश्नावली 10.2 — लिखित (क) — 25-30 शब्द

प्रश्न 1

तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था?

हल

तताँरा पारंपरिक पोशाक के साथ कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।
लोगों का मत था कि बावजूद लकड़ी की होने पर भी उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी।
तताँरा के चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग तलवार में इस अद्भुत शक्ति का होना मानते थे।
तताँरा उस तलवार को कभी अलग नहीं होने देता था और दूसरों के सामने उसका उपयोग भी नहीं करता था, जिससे वह एक विलक्षण रहस्य बनी रही।

उत्तर: लोगों का मत था कि तताँरा की लकड़ी की तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी, जो उसके साहसिक कारनामों के कारण रहस्यमयी बनी हुई थी।

प्रश्न 2

वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया?

हल

जब तताँरा बार-बार गाना गाने का आग्रह करता रहा और परिचय नहीं बताया, तो वामीरो ने बेरुखी से कहा: 'पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।'
इसके बाद भी जब तताँरा नहीं माना, तो वामीरो ने कड़े स्वर में कहा: 'ढीठता की हद है। मैं जब से परिचय पूछ रही हूँ और तुम बस एक ही राग अलाप रहे हो। गीत गाओ-गीत गाओ, आखिर क्यों? क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम?'

उत्तर: वामीरो ने कहा कि वह दूसरे गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को बाध्य नहीं तथा उसे ढीठ कहते हुए गाँव के नियम की याद दिलाई।

प्रश्न 3

तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

हल

तताँरा-वामीरो की त्यागमयी प्रेमकथा और मृत्यु से निकोबारियों के हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा।
उनके बलिदान के बाद निकोबारी लोग दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे।
जो कठोर सामाजिक परंपरा 'एक ही गाँव में विवाह' की बाधा बनी हुई थी, वह टूट गई।
यह सुखद परिवर्तन तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु का ही परिणाम माना जाता है।

उत्तर: तताँरा-वामीरो के बलिदान के बाद निकोबारियों ने दूसरे गाँवों में भी वैवाहिक संबंध बनाने आरंभ किए और कठोर परंपरा टूट गई।

प्रश्न 4

निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

हल

तताँरा एक नेक, मददगार और आत्मीय स्वभाव का युवक था।
वह सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था — न केवल अपने गाँव के लोगों की, बल्कि समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना उसका परम कर्तव्य था।
उसका व्यक्तित्व आकर्षक था और उसके त्याग की वजह से सभी उसका आदर करते थे।
मुसीबत के समय लोग उसे याद करते और वह भागा-भागा पहुँच जाता। पर्व-त्योहारों पर उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता था।

उत्तर: तताँरा नेक, मददगार, आत्मीय स्वभाव का और आकर्षक व्यक्तित्व वाला युवक था जो सदैव द्वीपवासियों की सेवा के लिए तत्पर रहता था।

प्रश्नावली 10.3 — लिखित (ख) — 50-60 शब्द

प्रश्न 1

निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

हल

निकोबारियों का विश्वास है कि प्राचीन काल में लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए एक ही द्वीप थे।
तताँरा नामक युवक ने क्रोध में अपनी दैवीय शक्ति संपन्न तलवार धरती में घोंपकर खींची, जिससे धरती दो टुकड़ों में बँट गई।
निकोबारियों का मत है कि तताँरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है जो आज कार-निकोबार से 96 कि.मी. दूर स्थित है।
इस प्रकार तताँरा-वामीरो की प्रेमकथा ही इन दो द्वीपों के अलग होने का कारण मानी जाती है।

उत्तर: निकोबारियों का विश्वास है कि तताँरा ने क्रोध में अपनी दैवीय तलवार से धरती को काटा जिससे लिटिल अंदमान और कार-निकोबार दो अलग द्वीप बन गए।

प्रश्न 2

तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

हल

दिनभर के अथक परिश्रम के बाद तताँरा लपाती के समुद्र किनारे टहलने निकल पड़ा।
वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत मनोरम था —
सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने को था और अंतिम रंग-बिरंगी किरणें समुद्र पर बिखरी हुई थीं।
समुद्र से ठंडी-मंद बयारें आ रही थीं जो मन को शीतलता और शांति प्रदान कर रही थीं।
पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहटें शनैः शनैः क्षीण होती जा रही थीं।
लहरों का मनोहर संगीत वातावरण को और भी सुरम्य बना रहा था।

उत्तर: तताँरा समुद्र किनारे गया जहाँ डूबता सूरज, रंग-बिरंगी किरणें, ठंडी बयारें, पक्षियों की चहचहाहट और लहरों का संगीत मिलकर एक अत्यंत मनोरम प्राकृतिक दृश्य बना रहे थे।

प्रश्न 3

वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

हल

वामीरो से मिलने से पहले तताँरा का जीवन गंभीर और शांत था — वह लोगों की सेवा में तत्पर रहता था।
वामीरो से मिलने के बाद उसके जीवन में पहली बार विचलन आया। वह सुध-बुध खोने लगा।
वह अचंभित था — जीवन में पहली बार ऐसा हुआ था कि उसका मन किसी के प्रति इस प्रकार आकर्षित हुआ।

वह रोमांचित भी था। शाम की प्रतीक्षा उसके लिए पूरे जीवन की अकेली प्रतीक्षा बन गई।
वामीरो के बारे में सोचते-सोचते दिन बिताने लगा। उनका मूक प्रेम प्रतिदिन गहरा होता गया।

उत्तर: वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के शांत जीवन में पहली बार विचलन आया — वह रोमांचित और अचंभित था, वामीरो से मिलने की प्रतीक्षा उसके जीवन का केंद्र बन गई।

प्रश्न 4

प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

हल

पाठ में 'पशु-पर्व' के उल्लेख से प्राचीन काल के आयोजनों की झलक मिलती है।
पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन होता था।
पशुओं से युवकों की शक्ति-परीक्षा प्रतियोगिता आयोजित की जाती थी जिसमें युवक अपने बल का प्रदर्शन करते थे।
वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग इसमें भाग लेते थे।
बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता था जो सामाजिक मिलन और मनोरंजन का माध्यम था।

उत्तर: प्राचीन काल में पशु-पर्व जैसे आयोजन होते थे जिनमें पशु-प्रदर्शन, युवकों की शक्ति-परीक्षा प्रतियोगिता, नृत्य-संगीत और भोजन का सामूहिक आयोजन होता था।

प्रश्न 5

रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

हल

रूढ़ियाँ समाज की व्यवस्था के लिए बनाई जाती हैं, किंतु जब वे व्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवीय भावनाओं का दमन करने लगती हैं, तब वे बंधन बन जाती हैं।
तताँरा-वामीरो की कथा में 'एक ही गाँव में विवाह' की रूढ़ि इसी बंधन का उदाहरण है।
इस परंपरा के कारण दो प्रेमी एक-दूसरे से नहीं मिल सके और उन्हें अपना जीवन गँवाना पड़ा।
यदि रूढ़ियाँ प्रेम, न्याय और मानवता के विरुद्ध हों तो उनका टूटना आवश्यक है।
तताँरा-वामीरो के बलिदान के बाद यही रूढ़ि टूटी और निकोबारियों ने अन्य गाँवों में भी विवाह करने शुरू किए — जो एक सुखद परिवर्तन था।

उत्तर: जब रूढ़ियाँ मानवीय भावनाओं और स्वतंत्रता का दमन करने लगें तथा अन्याय का साधन बन जाएँ, तब उनका टूटना अनिवार्य है क्योंकि तभी समाज में सुखद परिवर्तन संभव होता है।

प्रश्नावली 10.4 — लिखित (ग) — आशय स्पष्ट

प्रश्न 1

जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।

हल

आशय: पशु-पर्व में वामीरो की माँ और गाँव के लोगों ने तताँरा को अपमानित किया।
तताँरा विह्वल और क्रोध से भरा था — एक ओर सामाजिक परंपरा की दीवार थी, दूसरी ओर वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था।
उसके पास कोई रास्ता नहीं था — न वह वामीरो को पा सकता था, न परंपरा तोड़ सकता था।
इस असहायता और क्रोध को निकालने के लिए उसने अपनी तलवार धरती में घोंप दी और उसे खींचने लगा।
यह क्रिया उसकी भीतरी पीड़ा और आक्रोश की अभिव्यक्ति थी — जो अनायास एक विनाशकारी परिणाम की ओर ले गई और द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया।

उत्तर: आशय यह है कि तताँरा की असहायता और आक्रोश जब चरम पर पहुँचा तो उसने अपनी शक्ति और पीड़ा का निकास तलवार को धरती में घोंपकर किया, जिससे द्वीप विभक्त हो गया।

प्रश्न 2

बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।

हल

आशय: यह पंक्ति उस क्षण की है जब तताँरा चट्टान पर वामीरो की प्रतीक्षा में बैठा था और यह निश्चित नहीं था कि वामीरो आएगी या नहीं।
जिस प्रकार समुद्र के क्षितिज पर डूबती सूर्य की किरणें पल भर में अस्त हो जाती हैं, उसी प्रकार तताँरा की उम्मीद भी अनिश्चित और क्षणभंगुर थी।
'आस की एक किरण' — यह उपमा इस बात को स्पष्ट करती है कि तताँरा के पास केवल एक टिमटिमाती आशा थी कि शायद वामीरो आए।
यह उम्मीद जितनी नाजुक थी, उतनी ही महत्वपूर्ण भी — क्योंकि वह उसी के सहारे जी रहा था।

उत्तर: आशय यह है कि वामीरो के आने की उम्मीद उतनी ही अनिश्चित और क्षणभंगुर थी जितनी समुद्र पर डूबती सूर्य-किरण — जो किसी भी पल समाप्त हो सकती थी।

प्रश्नावली 10.5 — भाषा अध्ययन — वाक्य के प्रकार

प्रश्न 1

निम्नलिखित वाक्यों के सामने दिए कोष्ठक में (✓) का चिह्न लगाकर बताएँ कि वह वाक्य किस प्रकार का है— (क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक) (ख) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक) (ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक) (घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम? (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक) (ङ) वाह! कितना सुंदर नाम है। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक) (च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूँगा। (प्रश्नवाचक, विधानवाचक, निषेधात्मक, विस्मयादिबोधक)

हल

(क) निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। — विधानवाचक (✓)
यह वाक्य एक तथ्य/कथन बता रहा है, इसलिए विधानवाचक है।
(ख) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? — प्रश्नवाचक (✓)
इस वाक्य में प्रश्न पूछा गया है ('क्यों') इसलिए यह प्रश्नवाचक है।
(ग) वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। — विधानवाचक (✓)
यह वाक्य एक घटना का कथन है, इसलिए विधानवाचक है।
(घ) क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम? — प्रश्नवाचक (✓)
इस वाक्य में प्रश्न पूछा गया है ('क्या...?') इसलिए यह प्रश्नवाचक है।
(ङ) वाह! कितना सुंदर नाम है। — विस्मयादिबोधक (✓)
इस वाक्य में 'वाह!' विस्मय/हर्ष का भाव व्यक्त हो रहा है, इसलिए विस्मयादिबोधक है।
(च) मैं तुम्हारा रास्ता छोड़ दूँगा। — विधानवाचक (✓)
यह वाक्य एक कथन/स्वीकृति व्यक्त कर रहा है, इसलिए विधानवाचक है।

उत्तर: (क) विधानवाचक (ख) प्रश्नवाचक (ग) विधानवाचक (घ) प्रश्नवाचक (ङ) विस्मयादिबोधक (च) विधानवाचक

प्रश्नावली 10.6 — भाषा अध्ययन — मुहावरे

प्रश्न 1

निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए— (क) सुध-बुध खोना (ख) बाट जोहना (ग) खुशी का ठिकाना न रहना (घ) आग बबूला होना (ङ) आवाज उठाना

हल

(क) सुध-बुध खोना (होश खो देना, बेसुध हो जाना) —
वाक्य: वामीरो का मधुर गायन सुनकर तताँरा अपनी सुध-बुध खो बैठा।
(ख) बाट जोहना (प्रतीक्षा करना, राह देखना) —
वाक्य: माँ दरवाजे पर खड़ी अपने बेटे की बाट जोहती रही।
(ग) खुशी का ठिकाना न रहना (बहुत अधिक प्रसन्न होना) —
वाक्य: जब तताँरा ने वामीरो को आते देखा तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा।
(घ) आग बबूला होना (बहुत क्रोधित होना) —
वाक्य: बेटे की हार की खबर सुनकर उसके पिता आग बबूला हो उठे।
(ङ) आवाज उठाना (विरोध करना, बोलना) —
वाक्य: गाँव के लोग तताँरा के विरोध में आवाजें उठाने लगे।

उत्तर: (क) सुध-बुध खोना — होश खो देना; (ख) बाट जोहना — प्रतीक्षा करना; (ग) खुशी का ठिकाना न रहना — अत्यधिक प्रसन्न होना; (घ) आग बबूला होना — बहुत क्रोधित होना; (ङ) आवाज उठाना — विरोध करना।

प्रश्नावली 10.7 — भाषा अध्ययन — मूल शब्द और प्रत्यय

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए— चर्चित, साहसिक, छटपटाहट, शब्दहीन

हल

चर्चित — मूल शब्द: चर्चा, प्रत्यय: इत
साहसिक — मूल शब्द: साहस, प्रत्यय: इक
छटपटाहट — मूल शब्द: छटपट, प्रत्यय: आहट
शब्दहीन — मूल शब्द: शब्द, प्रत्यय: हीन

उत्तर: चर्चित = चर्चा + इत; साहसिक = साहस + इक; छटपटाहट = छटपट + आहट; शब्दहीन = शब्द + हीन

प्रश्नावली 10.8 — भाषा अध्ययन — उपसर्ग

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए— आकर्षक, ज्ञात, कोमल, होश, घटना

हल

आकर्षक → अनाकर्षक (उपसर्ग: अन) — जो आकर्षक न हो
ज्ञात → अज्ञात (उपसर्ग: अ) — जो ज्ञात न हो
कोमल → अकोमल / कठोर (उपसर्ग: अ) — जो कोमल न हो
होश → बेहोश (उपसर्ग: बे) — जिसे होश न हो
घटना → दुर्घटना (उपसर्ग: दुर्) — बुरी/अप्रिय घटना

उत्तर: आकर्षक → अनाकर्षक; ज्ञात → अज्ञात; कोमल → अकोमल; होश → बेहोश; घटना → दुर्घटना

प्रश्नावली 10.9 — भाषा अध्ययन — वाक्य परिवर्तन

प्रश्न 1

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए— (क) जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (मिश्र वाक्य) (ख) फिर तेज कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। (संयुक्त वाक्य) (ग) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी। (सरल वाक्य) (घ) तताँरा को देखकर वह फूटकर रोने लगी। (संयुक्त वाक्य) (ङ) रीति के अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। (मिश्र वाक्य)

हल

(क) मिश्र वाक्य (जिसमें एक प्रधान उपवाक्य और एक आश्रित उपवाक्य हो) —
यह पहली बार है कि जीवन में मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ।
(ख) संयुक्त वाक्य (दो स्वतंत्र उपवाक्य 'और', 'किंतु', 'परंतु' से जुड़े) —
वह तेज कदमों से चली और तताँरा के सामने आकर ठिठक गई।
(ग) सरल वाक्य (एक ही क्रिया, एक उद्देश्य और एक विधेय) —
वामीरो कुछ सचेत होकर घर की तरफ दौड़ पड़ी।
(घ) संयुक्त वाक्य —
उसने तताँरा को देखा और फूटकर रोने लगी।
(ङ) मिश्र वाक्य —
रीति यह थी कि दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था।

उत्तर: (क) यह पहली बार है कि जीवन में मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ। (ख) वह तेज कदमों से चली और तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। (ग) वामीरो कुछ सचेत होकर घर की तरफ दौड़ पड़ी। (घ) उसने तताँरा को देखा और फूटकर रोने लगी। (ङ) रीति यह थी कि दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था।

प्रश्नावली 10.10 — भाषा अध्ययन — विलोम शब्द

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए— भय, मधुर, सभ्य, मूक, तरल, उपस्थिति, सुखद

हल

भय — निर्भय / अभय
मधुर — कटु / कड़वा
सभ्य — असभ्य / अशिष्ट
मूक — वाचाल / बोलनेवाला
तरल — ठोस
उपस्थिति — अनुपस्थिति
सुखद — दुखद

उत्तर: भय→अभय, मधुर→कटु, सभ्य→असभ्य, मूक→वाचाल, तरल→ठोस, उपस्थिति→अनुपस्थिति, सुखद→दुखद

प्रश्नावली 10.11 — भाषा अध्ययन — पर्यायवाची शब्द

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए— समुद्र, आँख, दिन, अँधेरा, मुक्त

हल

समुद्र — सागर, सिंधु
आँख — नेत्र, नयन
दिन — दिवस, वार
अँधेरा — तम, अंधकार
मुक्त — स्वतंत्र, आजाद

उत्तर: समुद्र→सागर, सिंधु; आँख→नेत्र, नयन; दिन→दिवस, वार; अँधेरा→तम, अंधकार; मुक्त→स्वतंत्र, आजाद

प्रश्नावली 10.12 — भाषा अध्ययन — कठिन शब्दों का वाक्य प्रयोग

प्रश्न 1

नीचे दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए— किंकर्तव्यविमूढ़, विह्वल, भयाकुल, याचक, आकंठ

हल

किंकर्तव्यविमूढ़ (क्या करें यह न समझ पाने की अवस्था में) —
वाक्य: अचानक आई दुर्घटना को देखकर राहगीर किंकर्तव्यविमूढ़ खड़ा रह गया।
विह्वल (व्याकुल, बेचैन) —
वाक्य: वामीरो का रुदन सुनकर तताँरा विह्वल हो उठा।
भयाकुल (भय से व्याकुल) —
वाक्य: धरती फटने की गड़गड़ाहट सुनकर सभी भयाकुल हो उठे।
याचक (भिक्षुक, माँगने वाला) —
वाक्य: तताँरा निर्निमेष याचक की तरह वामीरो की प्रतीक्षा में डूबा था।
आकंठ (गले तक, पूरी तरह) —
वाक्य: वह आकंठ कर्ज में डूबा हुआ था।

उत्तर: किंकर्तव्यविमूढ़ — क्या करें न समझ पाने की स्थिति; विह्वल — व्याकुल/बेचैन; भयाकुल — भय से व्याकुल; याचक — भिक्षु/माँगनेवाला; आकंठ — गले तक / पूर्णतः।

प्रश्नावली 10.13 — भाषा अध्ययन — विशेषण

प्रश्न 1

'किसी तरह आँचरहित एक ठंडा और ऊबाऊ दिन गुजरने लगा' वाक्य में दिन के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? आप दिन के लिए कोई तीन विशेषण और सुझाइए।

हल

वाक्य में दिन के लिए तीन विशेषण प्रयुक्त हैं —

1. आँचरहित (जिसमें आँच/उत्साह न हो)
2. ठंडा (उदासीन, नीरस)
3. ऊबाऊ (बोरिंग, थकाऊ)

तीन अतिरिक्त विशेषण जो दिन के लिए सुझाए जा सकते हैं —

1. नीरस (जिसमें रस/आनंद न हो)
2. लंबा (जो बहुत धीमे बीतता लगे)
3. उदास (जिसमें खुशी न हो)

उत्तर: पाठ में दिन के विशेषण: आँचरहित, ठंडा, ऊबाऊ। तीन और विशेषण: नीरस, लंबा, उदास।

प्रश्नावली 10.14 — भाषा अध्ययन — 'देखना' क्रिया के रूप

प्रश्न 1

इस पाठ में 'देखना' क्रिया के कई रूप आए हैं। 'देखना' के इन विभिन्न शब्द-प्रयोगों में क्या अंतर है? वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए: आँखें केंद्रित करना, निर्निमेष ताकना, नजर पड़ना, देखना, निहारना, ताकना, घूरना। इसी प्रकार 'बोलना' क्रिया के विभिन्न शब्द-प्रयोग बताइए।

हल

'देखना' क्रिया के विभिन्न रूप और उनके अर्थ में अंतर —

1. आँखें केंद्रित करना — किसी एक बिंदु पर ध्यान एकाग्र करके देखना।
वाक्य: उसकी आँखें युवती के चेहरे पर केंद्रित थीं।
2. निर्निमेष ताकना — बिना पलक झपकाए एकटक देखते रहना (गहरे ध्यान से)।
वाक्य: तताँरा निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा था।
3. नजर पड़ना — अचानक/संयोग से दृष्टि पड़ना।
वाक्य: अंततः उसकी नजर एक युवती पर पड़ी।
4. देखना — सामान्य रूप से आँखों से देखना।
वाक्य: लपाती गाँव में तुम्हें कभी देखा नहीं।
5. निहारना — प्रेम/आनंद से ध्यानपूर्वक देखना।
वाक्य: वह समुद्र की देह पर डूबते रंगों को निहार रही थी।
6. ताकना — एकटक देखते रहना (जिज्ञासा या प्रतीक्षा से)।
वाक्य: वे एकटक एक-दूसरे को ताकते रहे।
7. घूरना — अशिष्टता से या संदेह/क्रोध से देखना।
वाक्य: 'इस तरह मुझे घूरने का कारण क्या है?'

'बोलना' क्रिया के विभिन्न शब्द-प्रयोग —

कहना (सामान्य वचन), बुदबुदाना (धीरे-धीरे), चिल्लाना (ऊँची आवाज में), फुसफुसाना (कानों में धीरे), गुनगुनाना (मन में या धीरे गाते हुए), बड़बड़ाना (अस्पष्ट रूप से), चिल्लाना (क्रोध में), विनय करना (विनम्रतापूर्वक आग्रह करना)।

उत्तर: देखना के रूप: आँखें केंद्रित करना (एकाग्रता से), निर्निमेष ताकना (बिना पलक झपकाए), नजर पड़ना (अचानक), निहारना (प्रेमपूर्वक), ताकना (एकटक), घूरना (अशिष्टता से)। बोलना के रूप: कहना, बुदबुदाना, फुसफुसाना, चिल्लाना, बड़बड़ाना।

प्रश्नावली 10.15 — भाषा अध्ययन — पदबंध

प्रश्न 1

वाक्यों के रेखांकित पदबंधों का प्रकार बताइए— (क) उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। (ख) ततँरा को मानो कुछ होश आया। (ग) वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। (घ) ततँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी। (ङ) उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं।

हल

(क) 'एक अद्भुत साहसी युवक' — विशेषण पदबंध
यहाँ कई पद मिलकर 'युवक' संज्ञा की विशेषता बता रहे हैं।
(ख) 'मानो कुछ होश आया' — क्रिया पदबंध
यहाँ कई पद मिलकर क्रिया का काम कर रहे हैं।
(ग) 'भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता' — क्रिया पदबंध
यहाँ कई पद मिलकर क्रिया का काम कर रहे हैं।
(घ) 'एक विलक्षण रहस्य' — संज्ञा पदबंध
यहाँ कई पद मिलकर संज्ञा का काम कर रहे हैं।
(ङ) 'उसकी व्याकुल आँखें' — संज्ञा पदबंध
यहाँ कई पद मिलकर संज्ञा का काम कर रहे हैं।

उत्तर: (क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध (ङ) संज्ञा पदबंध